

पालक पुं. (तत्.) 1. बाज पक्षी 2. एक रत्न जो प्रायः काले, लाल या हरे रंग का होता है 3. पालक नाम का साग।

पालखी स्त्री. (तद्.) पालकी।

पाल वि. (तत्.) 1. पालन करने वाला, पालक 2. रक्षा करने वाला, रक्षक 3. वर्तमान में कुछ संज्ञाओं के अंत में लगने वाला एक शब्द जिसका अर्थ कार्य, व्यवस्था करने वाला अथवा सब प्रकार से रक्षा करने वाला होता है जैसे- कोटपाल, राज्यपाल, लेखपाल आदि पुं. (तत्.) 1. पालक व्यक्ति 2. रक्षक व्यक्ति 3. राजा 4. ग्वाला 5. गड़रिया 6. पीकदान, उगालदान 7. बांध, मेड़, तट, किनारा पुं. (देश.) 1. बंगाल की एक प्रसिद्ध उपजाति 2. फलों को गरमी पहुँचाकर पकाने के लिए पत्तों आदि से ढककर अथवा और किसी युक्ति से रखने की विधि 3. (तद्.) वह लंबा-चौड़ा कपड़ा जिसे नाव के मस्तूल से लगाकर इसलिए तानते हैं कि उसमें हवा भरे और उसके दबाव से नाव बिना पतवार के शीघ्रता से चले।

पालउ पुं. (तद्.) पल्लव, पत्ता।

पालक वि. (तत्.) 1. पालन करने वाला 2. रक्षा करने वाला, रक्षक पुं. (तत्.) पिता से भिन्न व्यक्ति जिसने उसका पालन-पोषण किया हो पुं. (तद्.) 1. एक प्रकार का शाक जिसके पत्ते बड़े और चौड़े होते हैं 2. पलंग उदा. खंड-खंड सजी पालक पीढ़ी -जायसी।

पालक जूही स्त्री. (देश.) एक प्रकार का छोटा पौधा जो दवा के काम आता है।

पालकरी स्त्री. (देश.) लकड़ी का वह छोटा टुकड़ा जो पलंग, चारपाई तथा चौकी आदि को ऊँचा करने के लिए उसके नीचे रखा जाता है।

पालकी स्त्री. (तद्.) एक प्रसिद्ध सवारी जिसमें सवार बैठता या लेटता है और जिसे कहार या मजदूर लोग कंधे पर उठाकर एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाते हैं, शिविका।

पालतू वि. (देश.) 1. पाला हुआ जैसे- यह हमारा पालतू कुत्ता है 2. जो पाला जा सके, जैसे- गाय पालतू पशु है, विलो. जंगली।

पालथी स्त्री. (देश.) दोनों टाँगों को मोड़कर बैठने की वह मुद्रा या आसन जिसमें दाहिने पैर के पंजे बायीं जाँघ के नीचे तथा बाएँ पैर के पंजे दाहिनी जाँघ के नीचे दबे होते हैं, पद्मासन, कमलासन, पलथी।

पालदंड पुं. (तत्.) नाव के मस्तूल के आर-पार लटकाया जाने वाला लंबा डंडा जिससे पाल का सिरा बाँधा जाता है।

पालन पुं. (तत्.) 1. अपनी देख-रेख में और अपने पास रखकर किसी का भरण-पोषण करने की क्रिया या भाव, आश्रित व्यक्ति का भरण-पोषण 2. रक्षा करना, रक्षण 3. नियम, कर्तव्य, वचन तथा आज्ञा आदि का निर्वाह 4. पशु-पक्षियों अथवा जीव-जंतुओं को अपने पास रखकर उनके विकास एवं संरक्षण का कार्य जैसे- पशु-पालन।

पालन-गृह पुं. (तत्.) अनाथ, परित्यक्त और आपराधिक प्रवृत्ति के बालकों का आत्मीयतापूर्ण रक्षण तथा पोषण करने का स्थान।

पालन-पोषण पुं. (तत्.) लालन-पालन, भरण-पोषण।

पालना स.क्रि. (तत्.) 1. अपनी देख-रेख में किसी व्यक्ति आदि के रहन-सहन, रोटी-कपड़ा आदि का व्यय वहन करना, भरण-पोषण करना 2. नियम, आज्ञा तथा आदेश आदि को मानते हुए आचरण करना 3. पशु-पक्षियों को अपने पास रखकर उन्हें खिलाना-पिलाना, पोसना 4. रोग अथवा दुर्व्यसन आदि को जान-बूझकर अपने साथ लगाए रखना, उन्हें दूर करने का उपाय न करना पुं. (देश.) बच्चों को झुलाने के लिए एक प्रकार का छोटा झूला या हिंडोला।

पालनीय वि. (तत्.) जिसका पालन किया जाना चाहिए, पालन करने योग्य।